

AJ-1358

B.A. Private (Part-I)

Term End Examination, 2021-22

SANSKRIT LITERATURE (Paper-II)

Time : Three hours]

[Maximum Marks : 75

नोट— सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— **15**
- (क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्र जल प्रक्षालन निर्मलापि क्लृप्स्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्क पत्रं समुद्भूतं जोभ्रान्तिरति दूरम् आत्मेच्छया यौवन समये पुरुषं प्रकृतिः।
- (ख) भवादृशा एवं भवन्ति भाजनानि उपदेशानाम्। अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणामिव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेन उपदेश गुणाः। गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलम भव्यस्य। इतरस्य तु करिण इव शङ्खभरणमानन शोभा समुदयमधिकतरमुप जनयति।
- (ग) न हि तं पश्यामि यो ह्यणरिचितयानया न निर्भर मुपगूढः यो वा न विप्रलब्धः। नियतमियमालेख्य गतापि चलति, पुस्तमप्यपि इन्द्र जालमाचरति उत्कीर्णापि, विप्रलभते श्रुताप्यभिसन्धन्ते, चिन्तितापि वञ्चयति।

इकाई-II

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— **15**
- (क) कंकणास्य तु लोभेन मग्नः पङ्के सुदुस्तरे।
वृद्ध व्याघ्रेण सम्प्राप्तः पथिकः स मृतो यथा ॥
- (ख) मरुस्थल्यां यथा वृष्टिः, क्षुधार्ते भोजनं यथा।
दरिद्रे दीयते दानं सफलं पाण्डुनन्दन ॥
- (ग) लोभात्क्रोधः प्रभवति, लोभात्कामः प्रजायते।
लोभान्मोहश्च नाशश्च, लोभः पापस्य कारणम् ॥
- (घ) “माता मित्रं पिता” चेति स्वभावात्त्रितयं हितम्।
कार्यकारणतश्चान्ये भवन्ति हित बुद्ध्यः ॥

इकाई-III

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के स्वरूप का परिचय लिखिए। **15**
- अथवा**
बुद्धिमान पुरुषों की बुद्धि कर्तव्य अकर्तव्य का निर्णय करने में कब मलिन हो जाती है?

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए— **15**
- (क) ज्योतिष (ख) श्रीमद्भगवत्पुराण (ग) आरण्यक (घ) ऋग्वेद

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर प्रकाश डालिए— **15**
- (क) भवभूति (ख) श्रीहर्ष (ग) बाणभट्ट (घ) शूद्रक